Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part I (Gen./Subs.)
Date:- 30-07-2020

GROUPS.

Group of Structure

समूह की संरचना

किसी भी संरचना से तात्पर्य समूह के उन गुणों से होता है जिससे यह पता चलता है कि समूह का आकार (Size) कैसा है, समूह के सदस्यों की वैयक्तिक भूमिका (Individual Role) कैसा है। सदस्यों के बीच आपसी संबंध कैसा है. सदस्यों की समाज के साथ अन्य समूहों के साथ संबंध कैसा है। समूह की संरचना के आधार पर हमें समूह के बारे में अनेकों लाभदायक सूचनाएं मिलती है। इस सूचनाओं से हमें किसी समूह की जटिलता तथा उसके द्वारा किए गए प्रधान कार्यों की झलक मिलती है। समूह की संरचना के आवश्यक तत्व निम्नांकित है।

(1) समूह का आकार (Size of the Group) :- समूह की संरचना का सबसे महत्वपूर्ण तत्व समूह का आकार है। समूह के आकार से तात्पर्य समूह में सदस्यों की संख्या से है। जब समूहों में सदस्यों की संख्या कम होती है तो उसे छोटा समूह (Small group) कहा जाता है। जैसे परिवार जिसमें पति पत्नी के अलावा बच्चे एवं भाई बहन सम्मिलित होते हैं. यह छोटा समूह का उदाहरण है। सबसे छोटा समूह (Smallest group) जिसमें सदस्यों की संख्या मात्र दो होता है जैसे:- पति-पत्नी। जैसे जैसे समूह में सदस्यों की संख्या बढ़ती जाती है, वैसे वैसे समूह का आकार बढ़ता जाता है। समाज मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययनों से स्पष्ट हुआ कि समूह का आकार जैसे जैसे बढ़ता है, समूह की संरचना भी की जटिलता (complexity) वैसे वैसे बढ़ती जाती है क्योंकि

उनके सदस्यों के बीच अन्त:क्रियात्मक संबंधों की संभावना बढ़ती जाती है।

समूह का आकार (size) बाह्य (External) एवं आन्तरिक (Internal) कारकों द्वारा निर्धारित होती है। उदाहरणार्थ परिवार का आकार वाह्य कारक जैसे नया बच्चा जन्म लेने बढ़ जाता है तथा किसी सदस्य की मृत्यु से घट जाता है। इसमें कुछ सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारक भी है जिसमें समूह का आकार प्रभावित होता है।

(2)

Next class

Scanned with CamScanner